पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सीतापुर में कुँवर दिवाकर सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण
विद्यार्थी छात्र धर्म का पालन करते हुए कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्य को प्राप्त करें - राज्यपाल

दिनांक: 28 अक्तूबर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि स्वर्गीय कुँवर दिवाकर सिंह ने शिक्षित करने एवं शिक्षा को बढ़ावा देने का जो प्रयास किया वह अत्यन्त सराहनीय है। कुँवर दिवाकर सिंह द्वारा स्थापित किया गया विद्यालय आज एक बडे वट वृक्ष का आकार ले चुका है। इसका उदाहरण यहाँ पर बड़ी संख्या में पढ़ने वाले बच्चे हैं। भारतीय संस्कृति हमें यह सिखाती है कि यदि किसी से कुछ लिया है तो उसे कुछ देना भी चाहिए। राज्यपाल ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने गुरूओं का सदैव सम्मान करो तथा कड़ी मेहनत से शिक्षा ग्रहण करो। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतीय समाज में भगवान गणेश वंदनीय हैं, उसी तरह हमारे शिक्षक भी वंदनीय हैं। शिक्षकों की तुलना कुम्हार से करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार एक कुम्हार कच्ची मिट्टी को सुंदर रूप में ढाल देता है उसी प्रकार शिक्षक भी बच्चों को उनके भविष्य के अनुसार ढाल सकता है।

राज्यपाल श्री राम नाईक आज स्व0 कुँवर भूषण सिंह स्मारक माध्यमिक विद्यालय, अलाईपुर, सीतापुर के परिसर में स्वर्गीय श्री कुँवर दिवाकर सिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने बच्चों को रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार राम ने पुत्र धर्म, सीता ने पत्नी धर्म तथा लक्ष्मण ने भाई धर्म निभाया, उसी तरह आप सभी छात्र धर्म का पालन करें। आपका उद्देश्य सिर्फ कड़ी मेहनत द्वारा शिक्षा ग्रहण करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र धर्म का पालन करते हुए कड़ी मेहनत के द्वारा आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

श्री नाईक ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ ही अपनी रूचि के अनुसार व्यायाम और अन्य खेलों पर भी ध्यान दें ताकि आप स्वस्थ रह सकें। बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने और व्यक्तित्व विकास के लिए चार मंत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि सदैव मुस्कुराते रहो। अच्छे काम की प्रशंसा करें एवं प्रोत्साहित करें। अहंकार में आकर किसी की अवमानना न करें तथा सदैव जीवन में जो भी करो उसे और अधिक अच्छे ढंग से करने का प्रयास करो।

राज्यपाल ने इससे पूर्व स्व0 कुँवर दिवाकर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि श्री धन्वन्तरि ने आयुर्वेद का ज्ञान सबसे पहले पूरे विश्व को दिया था। उन्होंने बच्चों के अनुशासन की भी प्रशंसा की तथा इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षक श्री ओम प्रकाश द्विवेदी, श्री दुर्गा प्रसाद शुक्ल, श्री विजय बहादुर सिंह तथा श्री देवेन्द्र कुमार जैन को सम्मानित किया। राज्यपाल ने सबकी मांग पर राम जानकी मंदिर के जीर्णोद्वार हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखने का आश्वासन दिया।

समारोह में सांसद श्री कौशल किशोर, प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं भारी संख्या में बच्चे, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अशोक/ललित/राजभवन (400/38)

शिलालेख
श्री राम नाईक
माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश
अमित कुमार सिंह
एम.ए.बी.एड
प्रदीप कुमार सिंह

स्वर्गीय श्री कँवर दिवाकर सिंह की प्रतिमा
समारोह